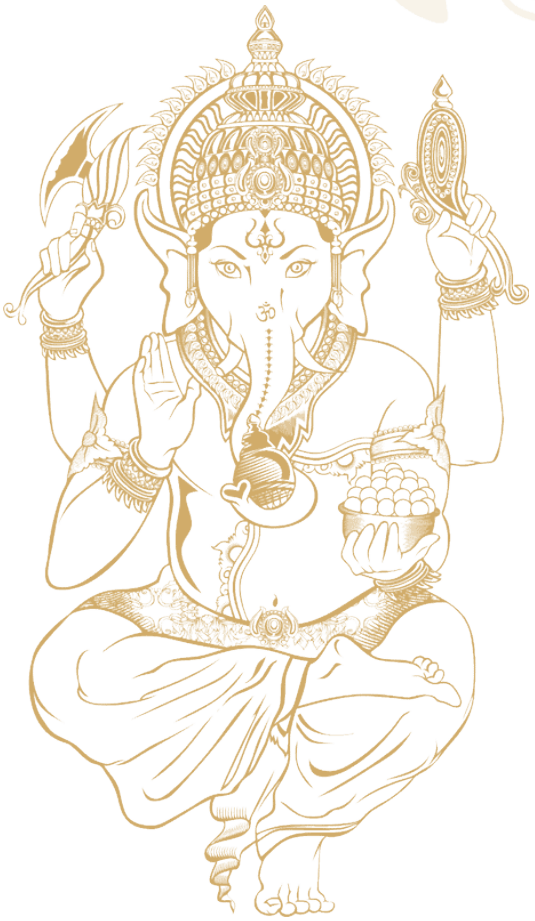

24 Feb 2026

01:10 PM

Khargone

Model: web-freekundliweb

Order No: 121160002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/02/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:10:00 घंटे**
इष्ट	15:43:31 घटी
स्थान	**Khargone**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	21:49:00 उत्तर
रेखांश	75:39:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:42:36 घंटे
वेलान्तर	-00:13:13 घंटे
साम्पातिक काल	22:59:24 घंटे
सूर्योदय	06:52:35 घंटे
सूर्यास्त	18:28:56 घंटे
दिनमान	11:36:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	11:28:41 कुम्भ
लग्न के अंश	01:00:27 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:00:27	336:47:05	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			कुंभ	11:28:41	01:00:23	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	08:50:44	14:11:55	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	कुंभ	00:49:54	00:47:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	28:01:27	00:19:19	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:13:17	00:02:53	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	23:09:03	01:14:55	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	06:56:50	00:07:01	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:45:22	00:00:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:45:22	00:00:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:24:57	00:01:04	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:39:13	00:02:06	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:10:47	00:01:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	19:20:12	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

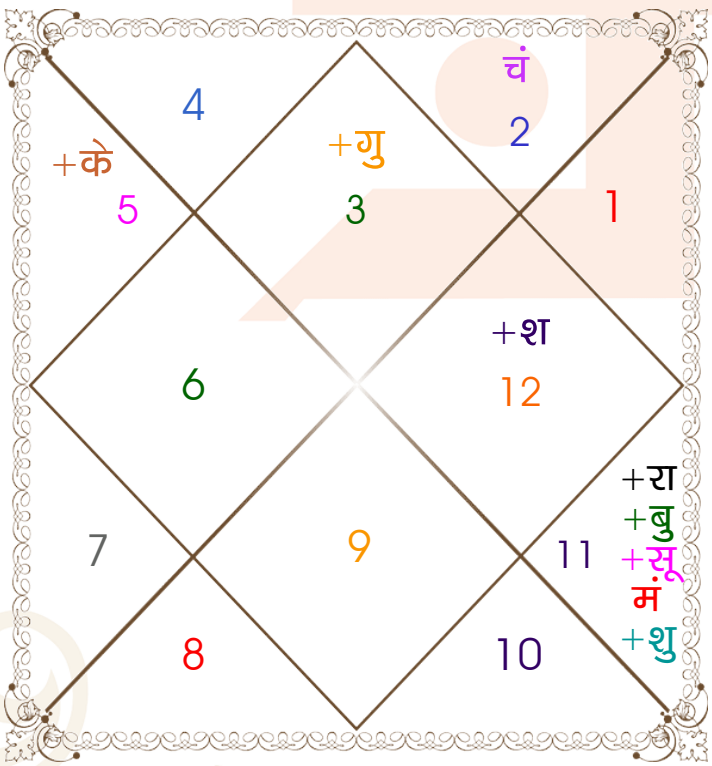

चन्द्र कुंडली

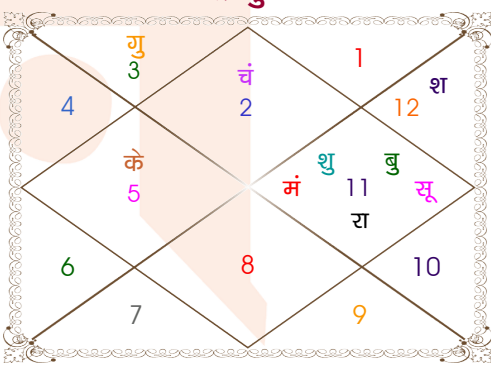

नवमांश कुंडली

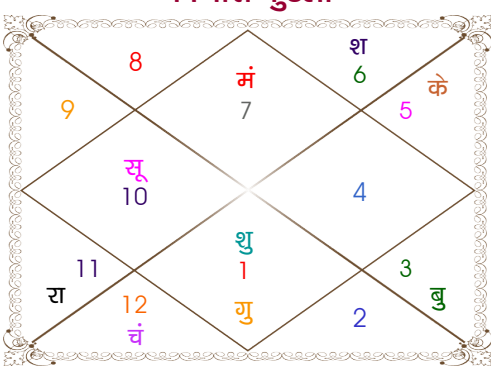

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 6 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/02/2026		02/09/2026		01/09/2036		02/09/2043		02/09/2061	
02/09/2026		01/09/2036		02/09/2043		02/09/2061		02/09/2077	
	00/00/0000	चंद्र	03/07/2027	मंगल	28/01/2037	राहु	15/05/2046	गुरु	21/10/2063
	00/00/0000	मंगल	01/02/2028	राहु	16/02/2038	गुरु	08/10/2048	शनि	03/05/2066
	00/00/0000	राहु	02/08/2029	गुरु	23/01/2039	शनि	15/08/2051	बुध	08/08/2068
	00/00/0000	गुरु	02/12/2030	शनि	03/03/2040	बुध	03/03/2054	केतु	15/07/2069
	00/00/0000	शनि	02/07/2032	बुध	28/02/2041	केतु	22/03/2055	शुक्र	15/03/2072
	00/00/0000	बुध	02/12/2033	केतु	27/07/2041	शुक्र	21/03/2058	सूर्य	01/01/2073
	00/00/0000	केतु	03/07/2034	शुक्र	26/09/2042	सूर्य	13/02/2059	चंद्र	03/05/2074
	24/02/2026	शुक्र	03/03/2036	सूर्य	01/02/2043	चंद्र	14/08/2060	मंगल	09/04/2075
शुक्र	02/09/2026	सूर्य	01/09/2036	चंद्र	02/09/2043	मंगल	02/09/2061	राहु	02/09/2077

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/09/2077		01/09/2096		03/09/2113		02/09/2120		02/09/2140	
01/09/2096		03/09/2113		02/09/2120		02/09/2140		25/02/2146	
शनि	04/09/2080	बुध	29/01/2099	केतु	30/01/2114	शुक्र	03/01/2124	सूर्य	21/12/2140
बुध	15/05/2083	केतु	26/01/2100	शुक्र	01/04/2115	सूर्य	02/01/2125	चंद्र	21/06/2141
केतु	23/06/2084	शुक्र	27/11/2102	सूर्य	07/08/2115	चंद्र	03/09/2126	मंगल	27/10/2141
शुक्र	24/08/2087	सूर्य	03/10/2103	चंद्र	07/03/2116	मंगल	03/11/2127	राहु	21/09/2142
सूर्य	05/08/2088	चंद्र	04/03/2105	मंगल	03/08/2116	राहु	03/11/2130	गुरु	10/07/2143
चंद्र	06/03/2090	मंगल	01/03/2106	राहु	21/08/2117	गुरु	04/07/2133	शनि	21/06/2144
मंगल	15/04/2091	राहु	18/09/2108	गुरु	28/07/2118	शनि	02/09/2136	बुध	28/04/2145
राहु	19/02/2094	गुरु	24/12/2110	शनि	06/09/2119	बुध	04/07/2139	केतु	03/09/2145
गुरु	01/09/2096	शनि	03/09/2113	बुध	02/09/2120	केतु	02/09/2140	शुक्र	25/02/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 6 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।